

इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी और पुलिस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला आयोजित

एक माह 'नो एक्सीडेंट मंथ' के रूप में मनाया जाए

सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए हो प्रभावी कार्य— राज्यपाल

जयपुर/बीकानेर, 24 फरवरी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं के नियंत्रण हेतु प्रभावी वातावरण बने। इसके लिए वाहन चालकों को शिक्षित, प्रशिक्षित करने के साथ वाहन मालिकों के लिए आर्थिक दंड देने और उनकी जवाबदेही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने एक माह "नो एक्सीडेंट मंथ" के रूप में मनाने का आह्वान किया।

राज्यपाल श्री बागडे सोमवार को बीकानेर के राजस्थान पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के सभागार में इंडियन रेडक्रॉस सोसायटी, पुलिस प्रशासन और परिवहन विभाग द्वारा आयोजित सड़क सुरक्षा कार्यशाला के दौरान संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा संवेदनशील विषय है। आमजन को यातायात नियमों की पालना के मार्गदर्शन के साथ सुरक्षित यात्रा के लिए निरंतर जागरूक किया जाए।

राज्यपाल ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा आगामी एक माह को 'नो एक्सीडेंट मंथ' के रूप में मनाया जाए। इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जाएं। उन्होंने वाहन चालकों को नशामुक्त करने किए भी कार्य करने पर जोर दिया।

राज्यपाल ने इस दौरान सड़क सुरक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली नौ प्रतिभाओं का सम्मान किया। राज्यपाल ने सड़क सुरक्षा पर आधारित पुस्तक 'सड़क सुरक्षा की स्वर लहरिया' का विमोचन भी किया। इस दौरान राज्यपाल ने वाहन दुर्घटनाओं में घायलों का सहायता के लिए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

#### राज्यपाल ने इनका किया सम्मान

कार्यक्रम में राज्यपाल श्री बागडे ने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री अनिल पांडिया, जनसंपर्क विभाग के उपनिदेशक श्री हरि शंकर आचार्य, मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष ऑर्थोपेडिक्स विभाग डॉ. बी. एल. खजोटिया, बीकानेर पुलिस के निरीक्षक श्री नरेश निर्वाण, जिला क्षय रोग निवारण अधिकारी डॉ. सी.एस. मोदी, सेवानिवृत्त चिकित्सा अधिकारी डॉ. अनिल कुमार वर्मा, बीएसएफ हेड कांस्टेबल व्हीकल मैकेनिक श्री राजकुमार, श्रीगंगानगर यातायात पुलिस के कांस्टेबल श्री राकेश कुमार, सामाजिक कार्यकर्ता सड़क दुर्घटनाओं में घायलों को चिकित्सा सेवा मुहैया करवाकर जीवन रक्षा करने के लिए श्री श्रीराम मंडा का स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।







